निर्यात में 60% एमएसएमई का हिस्सा

संबोधन

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। एमएसएमई और ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि उत्तर प्रदेश निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी प्रदेश बन गया है। कोरोना काल से अब तक 68 हजार करोड़ से बढ़कर दो लाख करोड़ तक निर्यात पहुंच गया है। इसमें एमएसएमई की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वह गुरुवार को गोमती नगर के एक होटल में पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) और एमएसएमई मंत्रालय के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 22 लाख एमएसएमई इकाईयां है। जो उद्यम पोर्टल में पंजीकृत है। छोटे उद्यमियों को 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। इस अवसर पर महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पीएचडीसीसीआई ने यूपी में विमेन इन बिजनेस एलायंस का भी शुभारंभ किया।

इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री राकेश सचान।

भारत में 100 कंपनियां यूनिकॉर्न बन चुकी हैं

पीएचडीसीसीआई के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. रणजीत मेहता ने कहा कि भारत में डीपीआईआईटी के साथ एक लाख से अधिक स्टार्ट-अप पंजीकृत हैं, जिनमें से 100 से अधिक कंपनियां यूनिकॉर्न बन चुकी हैं। सिडबी के महाप्रबंधक मनीष सिन्हा, राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) के सीनियर मैनेजर डा. संजीव कुमार मजूमदार सहित कई लोग उपस्थित थे।